Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	" **Kahani Budhi kaki ki report** ”	
Academic Session	2024-25	
Organizing Department/ Committee	**Hindi** (AEC)(Sem II)	
Total Number of Students Participated in the Project	80 (H. E Medium)	
Brief Report	The Project entitled - " **Kahani Budhi kaki ki report** " undertaken by the Department of Hindi during the session of 2024-25under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator P. Dabli Dr. Yugeshari Dabli	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator -IQAC Coordinator (Dr Mugdha Deshpande)	Signature of & Stamp of Principal Principal (Prof Dr Sujata Chakravorty)

Ph.: Off.: २६३३२३३/२९५५९७७
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

Sr. No	Name of Students	Program	Class
1	KESAR SINGH THAKUR	B. Com	I Year
2	AAKANKSHA KAMLESH BANSOD	B. Com	I Year
3	AALIYA KAUSAR SHEIKH ABRAR	B. Com	I Year
4	BHAGYASHREE RAJU BHANGE	B. Com	I Year
5	BHARTI SURESH SHAHU	B. Com	I Year
6	BHUMIKA ANGATRAM SALAME	B. Com	I Year
7	DHANI NARENDRA BAWANE	B. Com	I Year
8	GAYATRI PREMLAL YADAV	B. Com	I Year
9	HARSHALI JAGAN KHAPEKAR	B. Com	I Year
10	ILMA YASIN KHAN	B. Com	I Year
11	KOMAL DEEPAK GODHANI	B. Com	I Year
12	KOMALPREETKAUR RANJEETSINGH SANDHAWALIA	B. Com	I Year
13	MANISHA SUDHIR WAHANE	B. Com	I Year
14	MARIA ALBERT FRANKLIN	B. Com	I Year
15	MAYURI SANJAY MANUJA	B. Com	I Year
16	NANDINI BHAGWAT NANDANWAR	B. Com	I Year
17	NIHARIKA BABULAL BIGHANE	B. Com	I Year
18	PAYAL SANDESH KOLHE	B. Com	I Year
19	PRANJALI CHETAN LICHADE	B. Com	I Year
20	RITIKA ASHISH GAJBHIYE	B. Com	I Year
21	RUTUJA SANDEEP DEKATE	B. Com	I Year
22	SABIYA ASHFAQUE KHAN KHAN	B. Com	I Year
23	SANIYA KAOUSAR KADIR SHEIKH	B. Com	I Year
24	SEJAL MANOJ KHARE	B. Com	I Year
25	SHIVANI NANHELAL YADAV	B. Com	I Year
26	SONALI DHANSINGH TURKAR	B. Com	I Year
27	SONAM JIVAN NETAM	B. Com	I Year
28	TASHU NARSINGH RAJWADE	B. Com	I Year
29	TEENA ANIL KOTURWAR	B. Com	I Year
30	AFRIN ABDULWAHID SHEIKH	B. Com	I Year
31	ANAM SANIYA SALIM SHEIKH	B. Com	I Year
32	ARTI PRALHAD VARMA	B. Com	I Year
33	BHAVNA SIDDHA SABHAD	B. Com	I Year
34	DIKSHA MURLIDHAR KATRE	B. Com	I Year
35	DIKSHA SHIVLAL WAHANE	B. Com	I Year
36	GAYATRI SHIVKUMAR SAHU	B. Com	I Year
37	GUNJAN RUPESH GAJBHIYE	B. Com	I Year
38	HIMALI SURESH MALADHARI	B. Com	I Year
39	JASPREET SUKHWANT SIDDHU	B. Com	I Year
40	KANCHAN MANOJ VISHWAKARMA	B. Com	I Year
41	KASHISH VINAYAK MARAPE	B. Com	I Year
42	KHUSHBOO JASWANT MANIKPURI	B. Com	I Year

43	MADINA IBRAR SHEIKH	B. Com	I Year
44	MAHEK SHAH NAZIM SHAH ..	B. Com	I Year
45	MALLU SIDHA SABHAD	B. Com	I Year
46	MANSI SANTOSH SHAMKUWAR	B. Com	I Year
47	NAGMA PARVEEN AKHTAR HUSSAIN SHEIKH	B. Com	I Year
48	NANDINI KALICHARAN NANDESHWAR	B. Com	I Year
49	NANDINI TEJRAM SAKHARE	B. Com	I Year
50	NAYNA MANIK PATIL	B. Com	I Year
51	NEHA TEKCHAND SHIKARI	B. Com	I Year
52	NIDHI RAM KHOBRAGADE	B. Com	I Year
53	NIHARIKA REBU DHURVE	B. Com	I Year
54	NILU SURESH PAL	B. Com	I Year
55	NISHA DINARAM SAHU	B. Com	I Year
56	NITU SHANIRAM SARATIYA	B. Com	I Year
57	PALAK SUNIL FULZELE	B. Com	I Year
58	PALAK MAHENDRA CHOURE	B. Com	I Year
59	PAYAL AJAY GEDAM	B. Com	I Year
60	PINKI RAMGOPAL YADAV	B. Com	I Year
61	POOJA JIVSINGH CHICHAM	B. Com	I Year
62	PRACHI RAJESH DUBEY	B. Com	I Year
63	PRATIKSHA BEDRE DIWAKAR	B. Com	I Year
64	PRIYA RAKESH KHARE	B. Com	I Year
65	PRIYANKA RAMESH CHAUHAN	B. Com	I Year
66	PUJA BHAIYALAL JAMRE	B. Com	I Year
67	PUNAM ANIL JAMNIK	B. Com	I Year
68	RAJVI MAHENDRA LAD	B. Com	I Year
69	RIDDHI MITHA SABHAD	B. Com	I Year
70	RITU RAVI VERMA	B. Com	I Year
71	RIYA PANKAJ KHOBRAGADE	B. Com	I Year
72	SADIYATUBA FIROZ ANSARI ..	B. Com	I Year
73	SAKSHI PRAKASH KHANDARE	B. Com	I Year
74	SALONI DILCHAND BOPCHE	B. Com	I Year
75	SHEETAL JAGENDRA RAHANGDALE	B. Com	I Year
76	SONIKUMARI UPENDRA MAHATO	B. Com	I Year
77	TANUSHRI SANTOSH THAKUR	B. Com	I Year
78	TRISHA SURESH BOPCHE	B. Com	I Year
79	VIDHI CHUNNILAL YADAV	B. Com	I Year
80	ZOYA MOHSIN PATHAN	B. Com	I Year

Front Page Of Project

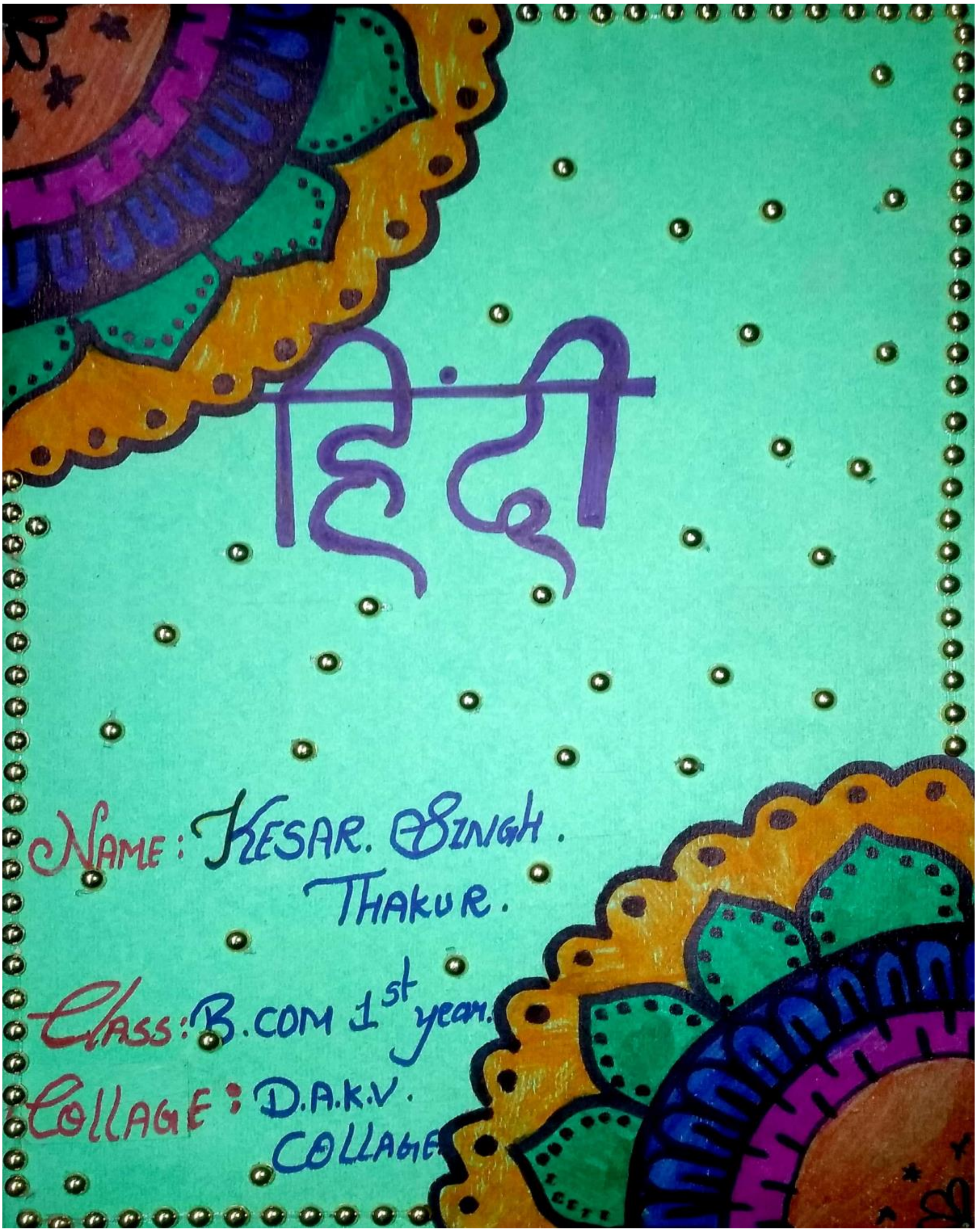

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Hindi project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject Hindi(AEC)entitles Hindi: Kahani Budhi Kaki hsa been successfully completed by ku. Kesar Singh Thakur of B.Com I Year during the Academic session 2024-25 Hence the certificate is awarded to her.

P. Dabli

Co-Ordinator
Dr. -Yugeshwari Dabli
Dept. of Hindi

Principal
Dr. Sujata Chakravorty
DAKM, Nagpur

project copy

PAGE No.

DATE

me of Practical

1) प्रस्तावना
2) विषय का चयन
3) उदेश्य / महत्व
4) अभ्यास पद्धती
5) निरिक्षण / विश्लेषण
6) निष्कर्ष

Teacher's Sign.:

PAGE No.
DATE

Name of Practical

बुढ़ी काकी

प्रस्तावना :->

'बुढ़ी काकी' कहानी का मुख्य पात्र एक ब वृद्ध महिला है जिन्हे सब 'बुढ़ी काकी' कहकर बुलाते है। जीवन वृद्धावस्था की पीड़ा, उपेक्षा और तिरस्कार से भरा हुआ है। कहानी एक माध्यमवर्गीय परिवार की है। जहाँ बुढ़ी काकी अपने भतीजे 'बुद्धिराम के साथ रहती है। उन्होने अपने जीवन की कमाई अपनी भतीजे को सौंप दी है, यह सोचकर कि बुढ़ापे मे वही उनका सहारा बनेगा लेकिन समय बीत बीतने के साथ बुद्धिराम और उसका परिवार बुढ़ी काकी की जरूरतो और भावनाओं कि अनदेखी करने लगता है।

Teacher's Sign.:

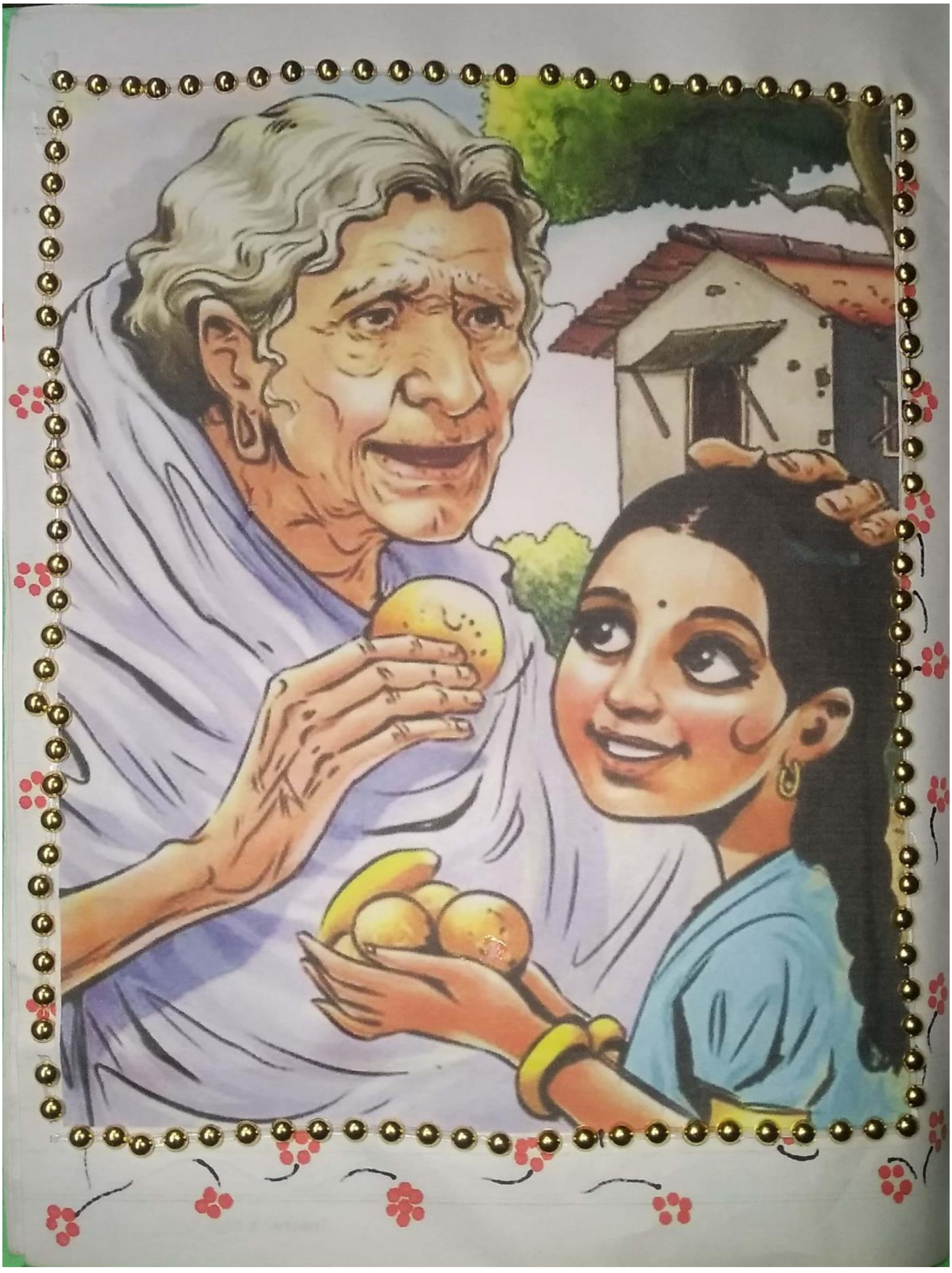

विषय का चयन :

कहानी मे यह दिखाया गया है कि कैसे बुजुर्गों की शारीरिक और मानसिक आवश्यकताओं की उपेक्षा की जाती है। काकी की आँखों की रोशनी चली गई है और अब वह खाने-पीने के लिए दूसरो पर निर्भर है। एक दिन घर मे शादी होती है, स्वादिष्ट पकवान बनते है लेकिन काकी को भोजन नहीं दिया जाता। जब सब सो जाते है, तब काकी रसोई मे जाती है और जूठे पत्तलों से बचा-खुचा खाना खाने लगती है। इस दृश्य को देखकर बुद्धिराम का बेटा करुणा से भर उठता है और यह दृश्य पूरे परिवार की आँखें खोल देता है। हमें सदैव हि बुजुर्गों कि सेवा करनी चाहिए। और सदैव उनकि जरूरतो का प्यार ध्यान रखना चाहिए।

PAGE No.
DATE

Name of Practical

उद्देश्य / महत्व

बूढ़ी काकी नामक कहानी भी इसी कोटि की कहानी है, जिसमें वृद्धजनों के प्रति समाज में उपेक्षा की पनपती समस्या का स्वाभाविक ढंग से चित्रण किया गया है। लेखक ने गंभीरता के साथ काकी के साथ होने वाले जिस उपेक्षापूर्ण व्यवहार को उठाया है वह अकेली काकी के ही साथ नहीं है, अपितु समाज में ऐसे कितने वृद्ध हैं। वृद्धों की उपेक्षा और स्वार्थपरता पर प्रकाश डालती है। कहानी रूपा नाम की एक महिला के बारे में है, जो अपनी माँ (बूढ़ी काकी) के प्रति अन्याय करती है, लेकिन अंत में उसे अपनी गलती का एहसास होता है और वह उसे भोजन कराती है।

Teacher's Sign.:

PAGE No.
DATE

Name of Practical

अभ्यास / पद्धति

बूढ़ी काकी को अंधा, निर्बल और उपेक्षित दर्शाया गया है। उन्हें भोजन तक के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। रूपा एक संवेदनशील, करुणामयी और समझदार महिला है, जो काकी की भूख और पीड़ा को समझती है। लेखक वृद्ध जनों के प्रति सम्मान प्रेम है और देखभाल का संदेश देते है। समाज को अपने कर्तव्यों को नहीं भूलना चाहिए। पहले उन्हें घर में सम्मान और देखभाल मिलती थी, लेकिन वृद्धावस्था और अंधत्व के कारण, परिवार के सदस्य उन्हें बोझ समझने लगते हैं। जब उनके भतीजे के बेटे का मुंडन समारोह होता है, तो उन्हें खाने को नहीं दिया जाता जिससे, भूख से व्याकुल होकर वे स्वयं मेहमानों के बीच चली जाती है। इस पर सभी उन्हें अपमानित करते है।

Teacher's Sign.:

PAGE No. | DATE

Name of Practical

निरीक्षण/विश्लेषण

बुढ़ी काकी' प्रसिद्ध हिंदी लेखक शिवपूजन सहाय द्वारा लिखी गई एक संवेदनशील और मार्मिक कहानी है। यह कहानी समाज मे बुजुर्गों की उपेक्षा, उनके अकेलेपन भावनात्मक और जरूरतो को दरशती है कि हमे हमेशा उनकी जरूरतो का ध्यान रखना चाहिए वह प्रेम ममता अपनापन धन चाहति है। खाने के लिए ललायित उनकी आंखे और उनका मासूम इंतजार पाठको के मन को झनझोर देता है। जो बुजुर्गों के प्रति बदलते समाजिक दृष्टिकोण और उपेक्षा पर सवाल उठती है। शिवपुजन सहाय ने इस कहानी के माध्यम से हमे यह सोचने पर मजबूर किया है कि जिन जिवन मे त्याग किया वह बुढापे मे सबसे ज्यादा अकेले क्यो ?

Teacher's Sign.:

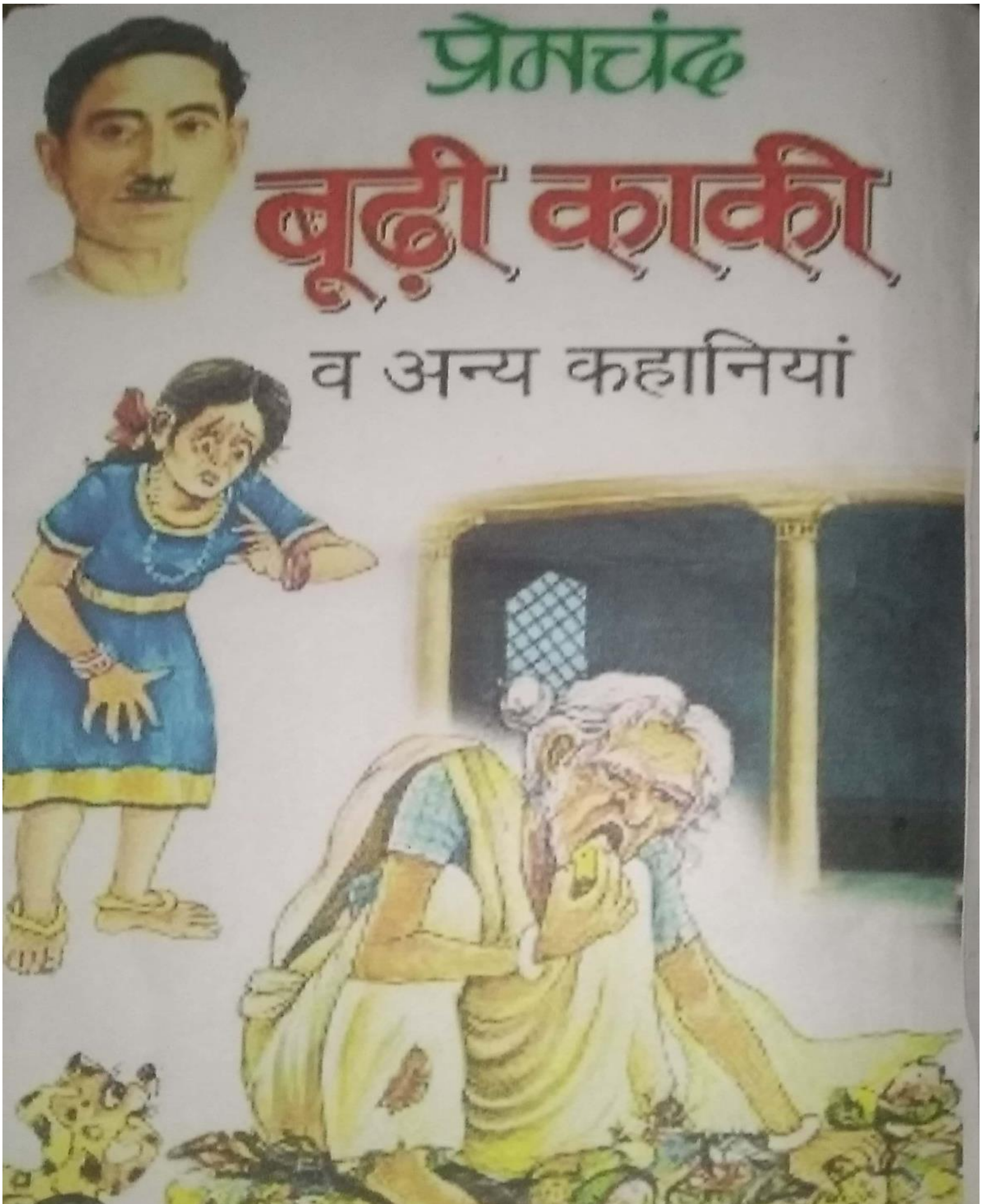
प्रेमचंद
बूढ़ी काकी
व अन्य कहानियां

PAGE No.
DATE

Name of Practical

निष्कर्ष

वे हिन्दी साहित्य के एक प्रसिद्ध लेखक है। वह लेखक के साथ-साथ पत्रकार और संपादक थे उनकी लेखनी मे भारतीय समाज कि सच्चाई, भावनात्मकता और यथार्थ का सुंदर समावेश देखने को मिलता है। "बुढी काकी" उनकी सबसे प्रसिद्ध कहानीयो मे से एक है, जो मानवता और करुणा का सशक्त संदेश देती है।
क्योकि किसी कहानी को समझने के लिए पुस्तक पढने के बाद समझ आनि चाहिए इस पाठ मे लिखि गई शब्द और भाषा दोनो हि सरल है। जिसकारण हम उस कहानी के माध्यम से समाज कि स्थिति का गहरा अवलोकन और विश्लेशण प्रस्तुत किया है।

Teacher's Sign.:

J